

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं • 9]

नई बिल्ली, श्रानिबार, मार्च 9, 1985/फाल्ग्स 18, 1906

No. 9]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 9, 1985/PHALGUNA 18, 1906

# इस भाग में भिन्न पृष्ठ संक्याकी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन को कप में रका जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

# भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

# रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गर्ध सांविधिक क्रियम और आवेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

## रका मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1985

का. नि. आ. 52 — केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय कैंडेट कार अधि-नियम, 1948 (1948 का 31) की धारा 13 द्वारा प्रदत्त मिलन्यों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय कैंडेट कोर नियम, 1948 का संगोधन करने के भिए निम्नलिखिन नियम बनानी है, अर्थान् ---

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय कैप्टेट कोर तृतीय संशोधन नियम, 1985 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. राष्ट्रीय कैंडेंट कोर नियम, 1948 की अनुसूची 2 में:-
- (क) पैरा 1 के उप पैरा (ख) में पैरा 2 के उप पैरा (ग) में "5/- रु. प्रतिदिन" अंग्र और शब्द के स्थान पर "7 रु. 30 पैमे प्रतिदिन" अंक और शब्द रखे जाएंगे।
- (च) पैरा 3 के उप पैरा (क) के स्थान पर निम्नलिखित ख्या जाएगा, अर्थान्:—-
- "(क) कैप में प्रत्येक दिन की वास्तविक उपस्थिति के लिए निम्न-लिखित दरों पर, भत्ता परन्तु यह तब जबकि सबंधित कैंडेट कैंम्प में रहते हो खाना खाते हों, और मोने हो, अर्थात्:—
- (i) आधिक प्रणिक्षण कैम्प, राष्ट्रीय कैंडेट कीर गणतंत्र दियम सैस्य दल कैम्प तथा अखिल भारतीय ग्रीष्म प्रणिक्षण कैप---7/- र.
   प्रति कैंडेट प्रतिवित;
- (ii) एडवाम नेतत्व कैंग्प, एडवांस नेपृत्व कांर्स, शिलाराहण कांसे तथा थलरोना कमीणन के लिए 30 दिन का विशेष कैंग्प। ---7/- गे. प्रति कैंडेट प्रतिदिन

टिप्पण: भारत राजपात, 1949 भाग 1 खड 3 पृष्ठ 239 पर अधिमूचना स. 289, तारीख 19 फरवरी, 1940 द्वारा प्रकाणित राष्ट्रीय कैंडेट कार नियम, 1948 का निम्नलिखित अधिमूचनाओ द्वारा बाद में सणाधन किया गया, अर्थात:—

| *ृक्रम ुसं.       | का नि. आ आ <b>ध</b> म् <b>य</b> नाम     | भारत के राजपन्न में<br>प्रकाशित होने की |
|-------------------|---|---|
| - ( <del>1)</del> |   | नारीख —<br>(3)                          |
| ~ —               |   | - <del>-</del>                          |
| 1.                | 1229                                    | 23-7-49                                 |
| 2                 | 2231                                    | 31-12-49                                |
| 3.                | 278                                     | 18-2-50                                 |
| 4.                | 664                                     | 1 5~ 4- 5 0                             |
| 5.                | 2094                                    | 12-8-50                                 |
| 6.                | 191                                     | 2-9-50                                  |
| 7.                | 4.4                                     | 20-5-50                                 |
| 8.                | 772                                     | 16-6-51                                 |
| 9.                | 383                                     | 8-9-51                                  |
| 10                | 434                                     | 3-11-51                                 |
| 11                | 68                                      | 23-2-52                                 |
| 12.               | 195                                     | 1 4-6-52                                |
| 1 3.              | 205                                     | 28-6-52                                 |
| 1 4.              | 246                                     | 2-8-52                                  |
| 15.               | 261                                     | 16-8-52                                 |
| 1 6.              | 262                                     | 1 6-8-52                                |
|                   | # * # * * * * * * * * * * * * * * * * * |   |

| 88 T         | HE GAZETTE ( | OF INDIA: MARCH                 | ( 9, 1985/PHALGU | JNA 18, 1906          | [PART IISEC. 4]             |
|--------------|--------------|---------------------------------|------------------|-----------------------|-----------------------------|
| 1)           | (2)          | (3)                             | (1)              | (2)                   | (3)                         |
| 7.           | 303          | 20-9-52                         | 70.              | 95                    | 20-3-65                     |
| 8.           | 326          | 18-10-52                        | 71               | 203                   | 1 2-6-6 5                   |
| 9.           | 49           | 7-2-53                          | 72.              | 232                   | 1 ()- 7- 6 5                |
| 0.           | 98           | 1 4-3-53                        | 73.              | 50                    | 05-3-66                     |
| 1.           | 117          | 4-1-53                          | 74.              | 5.5                   | 19-3-66                     |
| 2.           | 187          | 9-5-53                          | 75.              | 122                   | 23-5-66                     |
| 3.           | 215          | 23-5-53                         | 76.              | 186                   | 27-8-66                     |
| 4.           | 227          | 0 6- 5- 5 3                     | 77.              | 235                   | 15-10-66                    |
| 5.<br>6.     | 270          | 20-6-53                         | 78.              | 24                    | 1 <b>4-1-</b> 67            |
| 17.          | 289<br>290   | 04-7-53<br>04-7-53              | 79-              | 7.5                   | 04-3-67                     |
| 8.           | 311          | 18-7-53                         | 80.              | 96                    | 25-3-67                     |
| 9.           | 521          | 05-12-53                        | 81.              | 109                   | 01-4-67                     |
| 10.          | 230          | 19-6-54                         |                  | ,                     |                             |
| 11.          | 40           | 29-1-55                         | 82-              | 367                   | 09-12-67                    |
| 12.          | 6.4          | 0 5-2-55                        | 83.              | 257                   | 31-8-68                     |
| 33.          | 83           | 19-2-55                         | 84               | 229                   | 19-7-69                     |
| 14.          | 158          | 23-4-55                         | 8 5.             | 13                    | 10-t-70                     |
| 3.5.         | 331          | 27-8-55                         | 86.              | 184                   | 18-4-70                     |
| 36.          | 372          | 24-9-55                         | 87.              | 238                   | 23-5-70                     |
| 37.          | 1            | 07-1-56                         | 8.8.             | 112                   | 13-3-71                     |
| 3 <b>S</b> . | 105          | 14-4-56                         | 89.              | 155                   | 01-5-71                     |
| 19.          | 134          | 12-5-56                         | 90,              | 182                   | 05-6-71                     |
| 10.          | 108          | 23-5-57                         |                  |                       | 10-10-71                    |
| 1.           | 224          | 29-6-57                         | 91               | 371                   |                             |
| 12.<br>13.   | 297<br>366   | 23-8-57<br>विसंबर 19 <b>5</b> 7 | 9 2.             | 178                   | 30-6-73                     |
| 14.          | 10           | 11-1-58                         | 93.              | 201                   | 28-7-73                     |
| 15.          | 28           | 25-1-58                         | 94.              | 104                   | 23-3-74                     |
| ∤6.          | 118          | 08-3-58                         | 9.5-             | 406                   | 27-12-75                    |
| 17.          | 130          | 16-5-59                         | 96.              | . 21                  | 1 4-2-76                    |
| 8-           | 177          | 0 <b>4- 7-</b> 5 9              | 97.              | 301                   | 2 <b>7-8-7</b> 7            |
| 19.          | 283          | 26-9-59                         | 98.              | 413                   | 24-12-77                    |
| 0,           | 212          | 25-6-60                         | 99.              | 421                   | 31-12-77                    |
| 1.           | 249          | 30-7-60                         | 100-             | 184                   | 24-6-78                     |
| 2.           | 27           | 27-1-62                         | 101.             | 9                     | 22-8-79                     |
| 3.           | 194          | 04-8-62                         | 1011             | ., •                  | (भारत का राजपक्ष असाधारण    |
| 4.           | 289          | 10-11-62                        | 100              | 255                   | 22-9-79                     |
| 5.           | 313          | 08-12-62                        | 102              | •                     |                             |
| 6.           | 341          | 29-12-62                        | 103.             | 346                   | 08-12-79                    |
| 7.           | 342          | 29-12-62                        | 104.             | 300                   | 11-10-80                    |
| 8.           | 16           | 1 2-1-63.                       | 4 105.           | 355                   | 06-12-80                    |
|              |              | 23-2-63                         | 106.             | <b>4</b> 1-€          | 31-12-81                    |
| 9. •<br>0.   | 65<br>140    | 13-4-63                         |                  |                       | (भारत का राजपन असाधारण)     |
| 1.           | 198          | 20-7-63                         | 107.             | 168                   | 10-7-82                     |
| 2.           | 214          | 03-8-63                         | 108.             | . 181                 | 10-7-82                     |
| 3.           | 249          | 41-8-63                         | 109.             | 184                   | 17-7-82                     |
|              |              | 21-9-63                         | 110.             | 185                   | 17-7-82                     |
| 4.           | 266          |                                 |                  | 9                     | 7-1-84                      |
| 5.           | 327          | 2 3-1 1-6 3                     | 111.             |                       | 19-1-85                     |
| 6.           | 330          | 07-12-63                        | 112.             | 2                     |                             |
| 7-           | 1 4          | 1 1-1-64                        | 113.             | · <b>4</b> 9          | 23-02-85                    |
| 8.           | 372          | 07-11-64                        | का. नं.          | पी सी 0162/1/83-की जी | एन मीं सीकॉमिक (क)          |
| 9.           | 46           | 30-1-65                         |                  |                       | एच ० डो० सिन्हा, अवर सचित्र |

|  |                          |     | = = = = = = = = = = = = = = =        |
|--|--------------------------|-----|--------------------------------------|
| MINISTRY OF DEFENCE  | . (a)                    | (b) | (c)                                  |
| New Delhi, the 22nd January, 1985  | 23. SRC                  | 215 | 23-05-53                             |
| New Demi, the 22hd January, 1965   | 24. SRC                  | 227 | 06-06-53                             |
| S.R.O. 52.—In exercise of the powers, conferre   | l by 25. SRC             |     | 20-06-53<br>04-07-53                 |
| section 13 of the National Cadet Corps Act, 1948 (3  |                          |     | 04-07-53                             |
| 1948), the Central Government hereby makes the followiles, further to amend the National Cadet Corps R | ndae                     |     | 18-07-53                             |
| 1948, namely:—   | 20. 000                  |     | 05-12-53                             |
|  | 29. SRC                  |     | 19-06-54                             |
| 1. (i) These rules may be called the National Corns (Third Amendment) Pulse 1985                       |                          |     | 29-01-55                             |
| Corps. (Third Amendment) Kules, 1985.  | 31. SRC                  |     | 05-02-55                             |
| (ii) They They shall come into force on the dat  | e of 32. SRO             |     | 19-02-55                             |
| their publication in the Official Gazette,   | 33. SRC                  |     | 23-04-55                             |
| 2. In the Schedule II to the National Cadet Corps. R   | ules, 34, SRO<br>35, SRO |     | 27-08-55                             |
| 1948:  | 36. SRO                  |     | 24-09-55                             |
| (a) In sub-para (b) of para 1 and sub-para (c  |                          |     | 07-01-56                             |
| para 2, for the words and figure "Rs. 5 per  | lay", 38 SRO             |     | 14-04-56                             |
| the words and figures "Rs. 7.50 per day" sha   | i be 39. SRO             |     | 12-05-56                             |
| substituted.   | 40. SRC                  |     | 23-03-57                             |
| (b) for sub-para (a) of para 3, the following sha  |                          |     | 29-06-57                             |
| substituted, namely:-  | 42. SRO                  |     | 23-08-57                             |
| "(a) An allowance at the following rates for   |                          |     | Dec. 57                              |
| day of actual attendance in camp provided  | the 44. SRC              |     | 11-01-58                             |
| cadets concerned live, mess and sleep in   | eamp 45. SRC             |     | 25-01-58                             |
| namely:  | 46. SRC                  |     | 08-03-58                             |
| (i) Annual Training Camps, National 7 Rs.  |                          | _   | 16 <b>-05-</b> 59<br>04-07-59        |
| Cadet Corps Republic Day Contin-   | 48. SRC                  |     | 26-09-59                             |
| gent Camp and All India Summer cade Training Camps   | per 10 SRC               |     | 25-06-60                             |
| •  | 50. SR <i>C</i>          | 212 | 3 <b>0-06-6</b> 0                    |
| (ii) Advance Leadership Course, Rock Rs. 7   | Jadet 51, SRC            | 249 | 27-01-62                             |
| Climbing Courses and 30 days \ per of Special Camp for Army Com- \ per of                              | at the r                 |     | 04-08-62                             |
| mission,   | 53. SRC                  |     | 10-11-62                             |
| Note: The National Cadet Corps Rules, 1948 published   | 54 CD a                  | 289 | 08-12-62                             |
| Notification No. 289, dated 19th February, 1949, in the Ga   | etto 33. SRC             | 313 | 29-12-62                             |
| of India, 1949, Part I, Section 3, Page-239, have been   | sub- 36, SRC             |     | 29-12-62                             |
| sequestly amended by the following notifications, namely :   | 37. SRC                  |     | 12-01-63                             |
|  | 58. SRC                  |     | 23-02-63                             |
| Sl. Notification Publi   |                          |     | 13-04-63                             |
| No. No. in the   |                          |     | 20-07-63                             |
| Gaze   |                          | 198 | 03-08-63                             |
| of In  |                          |     | 31-08-63                             |
| dated  |                          |     | 21-09-63                             |
| (a) (b)  | 64. SRC                  |     | 23-11-63                             |
|  | 65. SRC                  |     | 07-12-63                             |
| 1. SRO 1229 23-0   | 6 T 1 A                  | 330 | 11-1-64                              |
| 2. SRO 2231 31-1   |                          |     | 07-11-64                             |
| 3. SRO 278 18-0.   |                          |     | 30-1-65                              |
| 4, SRO 664 15-0  | 70 07                    |     | 20-3-65                              |
| 5, SRO 2094 12-0<br>6, SRO 191 02-9  | 71 703                   |     | 12-6-65<br>10-7-65                   |
|  | -50-                     |     | 05-3-66                              |
| 7. SRO 44 20-0;<br>8. SRO 772 16-0   | c.,                      |     |                                      |
| 9. SRO 383 08-   | 7. 7.                    |     | 19-3-66                              |
| 10. SRO 434 03-1:  | 7. 100                   |     | 23 <b>-5-6</b> 6<br>2 <b>7-8-6</b> 6 |
| 11. SRO 68 23-0  |                          |     | 15-10-66                             |
| 12. SRO 195 14-0   | ⊬52 77. <b>23</b> 5      |     | 14-1-67                              |
| 13. SRO 205 28-0   | 5-52 78. 24              |     | 04-3-67                              |
| 14. SRO 246 02-0   | 3 <b>-52</b> 79, 75      |     | 23-3-67                              |
| 15. SRO 261 16-0   |                          |     | 01-4-67                              |
| 16. SRO 262 16-0   | 00 5/4                   |     | 09-12-67                             |
| 17 .SRO 303 20-09  | 03 357                   |     | 31-8-68                              |
| 18. SRO 326 18-10  | 0.4 650                  |     | 19-7-69                              |
| 19. SRO 49 07-0  |                          |     | 10-1-70                              |
| 20. SRO 98 14-0  |                          |     | 18-4-70                              |
| 21. SRO 117 04-0   |                          |     | 23-5-70                              |
| 22. SRO 187 09-  |                          |     |                                      |
|  |                          |     |                                      |

|                 |     | <del></del>                |
|-----------------|-----|----------------------------|
| (a)             | (b) | (c)                        |
| 88. 112         |     | 13-3-71                    |
| 89, 155         |     | 01-5-71                    |
| 90, 182         |     | 05-6-71                    |
| 91. 371         |     | 10-10-71                   |
| 92. 178         |     | 30-6-73                    |
| 93, 201         |     | 28-7-73                    |
| <b>9</b> 4. 104 |     | 23-3-74                    |
| 95, 406         |     | 27-12-75                   |
| 96. 21          |     | 14-2-76                    |
| 97, 301         |     | <b>2</b> 7-8-77            |
| 98. 413         |     | 24-12-77                   |
| 99. 421         |     | 31-12-77                   |
| 100. 184        |     | 24-6-78                    |
| 101. 9-E        |     | 22-8-79                    |
|                 |     | (Extraordi-                |
|                 |     | nary                       |
|                 |     | Gazette of                 |
|                 |     | India)                     |
| 102. SRO 255    |     | 2 <b>2</b> -05-79          |
| 103. SRO 346    |     | 08-12-79                   |
| 104, SRO 300    |     | 11-10-80                   |
| 105. SRO 355    |     | 06-12-80                   |
| 106. SRO 41-E   |     | 31-12-81                   |
|                 |     | (Extra-                    |
|                 |     | ordinary                   |
|                 |     | Gazette                    |
|                 |     | of India)                  |
| 107. SRO 168    |     | 10-07-82                   |
| 108. SRO181     |     | 1 <b>0</b> -0 <b>7</b> -82 |
| 109. SRO 184    |     | 1 <b>7</b> -07-82          |
| 110. SRO 105    |     | 17-07-82                   |
| 111. SRO 9      |     | 07-01-84                   |
| 112. SRO 2      |     | 19-01-85                   |
| 113. SRO 49     |     | 23-02-85                   |
|                 |     |                            |

[F. No. PC 0162/1/83/DGNCC-Pers (A)] H. D. SINHA, Under Secv.

## नई दिल्ली, 1 फरनरी, 1986

का .नि .आ . 53 -- छावनी निधि सेनक निवस, 1937 का संगोधन करने के लिए कतिपय नियमों का एक प्रारूप, छाननी अक्रिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 280 की अपेक्षानुसार भारत सरकार के राज-वन, भाग-2, खंड-4, तारीख 25 जून, 1983 में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 178, नारीख 7 जूम, 1983 के साम प्रकाणित किया गया था और उन्त अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीखं से 60 दिन की अवधि समाप्त होने तक उस सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभाषित होने की सभावना थी, आध्येप और सुलाव मांगे गए थे;

और उम्त राजपत्न, तारीचा 5 जुलाई, 1983 को जनता को उपलब्ध करादियागयाथा;

और इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व केन्द्रीय सरकार को कोई आक्षेप और मुझान प्राप्त नहीं हुए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 280 क्रारा प्रवत्त शनितयों का प्रयोग करते हुए छावनी निश्च सेवक निवम, 1937 का और सशोधन करने के लिए निम्मलिखित विवस बनाती है, अर्थातु:---

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम छावनी निष्ठि सेवक (संशोधन) नियम, 1985 है।

- (2) थे राजपत्न ने प्रकाशित होने की नारीख को प्रकृत होंगे।
- 2 छात्रनी निधि सेवक नियम, 1937 के (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उरात निराम कक्षा गया है) नियम 42 के उपनियम (1) में, खड़ (डी)
  - "(च) जमाकर्ता को प्राकृतिक विपन्तियों, जैसे--बाढ़, चकावात आदि की संभाव्य घटना में तत्काल वित्तीय राहत देना और उससे ह" कुट में कमी करना, ऐसा अग्रिम उन्हीं निबधनों और णती हारा णागित होंगे जा प्रभावित क्षेत्र में सेवारत केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की लागू हैं, और केवल विशेष छूट के रूप में मंजर किया जा सकेगा।"

3. जयत नियमों के नियम 42 के जपनियम (1) के पश्धात, निम्न-लिखिन अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थातु :----

- ''(1) बोर्ड किसी जमाकर्ता को विशेष परिस्थितियों में अग्निम का संदाय मंजूर कर सकेगा, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समिधित जमाकर्ता को उपनियम (1) में उल्लिखिन कारणों से भिन्न कारण से अग्रिम की आवण्यकता है।"
- 4. चनत नियम के 43 के उपनिमय (1) खंड (ध) के पहचात् निम्नलिखिन अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :---
  - ''(इ.) प्राकृतिक विपत्तियों, जैसे——बाढ़, च%वात, आदि की संभाव्य घटना में तत्काल बिसीय राहत देने और उससे हुए कष्ट में कमी करने के लिए, ऐसे प्रत्याहरण उन्हीं निबंधनो और महाँ ढारा णासित होंगे. जा प्रभावित क्षेत्र में मेवारत केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को लागू है, और केंबल विशेष छूट के रूप में मंत्रुर किए जा सकेंगे।"

टिप्पणः मूल नियम भारतके राजपत्र 1937 मे भाग-1 पृष्ट 1503 पर अधिसूचना मं. 707, सारीख 18-9-1937 के अधीन प्रकाशित किए गए।

उसके पश्चात् उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए:--

- अधिसूचना सं. 369, तारीख 23-4-1938, भाग-1, पुन्छ 883 " " 890, नारीख 13-8-1938, भाग-1, पुष्ठ 1379 ,, ,, 465, सारीख 15-4-1939, भाग-1, पृष्ठ 693 ,, ,, 923, मारीख 22,6-1940, भाग 1, पूष्ठ 892 " " 584, तोर्र **ख** 12-4-1941, **भाग-1**, पृष्ठ 523 " " 1707, तारीख 18-10-1941, भाग-1, पृष्ठ 1528 6 ,, ,, 295, तारीख 14-2-1942, भाग-1, पुष्ठ 346 " " 590, नारीख 28-3-1942, भाग\*1, पृष्ठ 640 n ,, 136, तारीख 6-3-1943, भाग-1, पुष्ठ 275 " ,, 313, तारीख 19-6-1943, भाग-1, पुष्ठ 656 10 68/2(जी) कैस/44 नारीख 12-8-1944, भाग-1, गुण्ड 658 12. अधिसूचना सं. 396, तारीख 12-3-1949, भाग-1, बंब-3, पुष्ठ 347 ., , 1441, तारी**वा 27-**8-1949 14, का. चि. आ. सं. 718, तारीख 22-4-1950, भाग-1, खंड-3 ,, ,, 343, **नारीख** 30-12-1950 15. ,, ,, 299, तारीख **4-7-1953, भाग-2, बंड-4, पुष्ठ 268** ., , 27, तारोख 11-1-1957, भाग-2, खंड-4, पच्ठ 14 17. ,, ,, 240, तारीख 16-8-1961, भाग-2, **खंड**-4, पुष्ठ 169 18.
- ., ,, 231, नारी**व 3**0-4-1970 19.
- " " 334, नारी**स** 23-11-1972 20.

|     | - <u></u> -     |                              | <del></del>  |
|-----|-----------------|------------------------------|--------------|
| 21. | भा०नि० मं० 273. | (正)理 14-9-1975               |              |
| 22  | n - 1 269i      | तारीखा 14-10-1976            |              |
| 23. | ,, ,, 332,      | नारीखा 16-11-1979            |              |
| 24. | ., ,, 66,       | तारी <b>ख</b> 4-2-1980       |              |
| 25. | " "111,         | नारीख 3-3-1980               |              |
| 26. | 296,            | নাগাৰি 21 11-1981            |              |
| 27  | ,, ,, 51,       | नारीख 19-2-1983 <sup>*</sup> |              |
| 28. | n - n 284,      | नारीख 29-10-1983             |              |
|     |                 | देखिएका. नि. आ 11,ता         |              |
|     |                 | द्वारा                       | यथासंगोधित । |
|     |                 | •                            |              |

29. " " 126, सारीख 2-6<del>.</del>1984

[फाइल म. 25/सी. एफ. एम. आर/ए. थी. एम. थी. टी. एस/।/सी/एल. एड सी/४1/684/डी (क्यू. एड सी)] करतार सिंह, अबर सचित्र

## New Delhi, the 1st February, 1985

S.R.O. 53.—Whereas a draft of certain rules to amend the Cantonment Fund Servants Rules, 1937, was published, as required by section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 178 dated the 7th June, 1983 in the Gazette of India, Part II, Section 4 dated the 25th June, 1983 for inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of sixty days from the date of publication of the said notification;

And whereas the said Gazette was made available to the public on 5th July, 1983;

And whereas no objections or suggestions have been received by the Central Government before the date so specified;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 280 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cantonment Fund Servants Rules, 1937, namely:—

- 1. (1) These rules, may be called 'Cantonment Fund Servants (Amendment) Rules, 1985.
  - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Cantonment Fund Servants Rules, 1937 (here-inafter referred to as the said rules), in sub-rule (1) of rule 42, after clause (e), the following shall be inserted, namely:—
  - "(f) to provide immediate financial relief and mitigate hardship caused to the depositor in the eventuality of natural calamities like floods, cyclone, etc. such advance being governed by the same terms and conditions as are applicable to Central Government employees serving in the affected area and being sanctioned only as a special relaxation."
- 3. The rule 42 of the said rules, after sub-rule (1), the following shall be inserted, namely:
  - "(1A) A Board may in special circumstances sanction the payment to any depositor of an advance if it is

satisfied that the depositor concerned required the advance for reasons other than those mentioned in sub-rule (1)."

- 4. In rule 43 of the said rules, in sub-rule (1), after clause (d), the following shall be inserted, namely:—
  - "(e) for providing immediate financial relief and mitigating hardship cause in the eventuality of natural calamities like floods, cyclone, etc., such withdrawals being governed by the same terms and conditions are applicable to Central Government employees serving in that affected area and being sanctioned only as a special relaxation."

Note.—Principal rules published vide Notification No. 707 dated 18-9-1937 in the Gazette of India, 1937, Part I. P . 1503

#### Subsequently amended by:

| 1.  | Notification No. | 369, dated 23-4-1938, Pt. I, P. 883          |
|-----|------------------|--|
| 2.  | "                | 890, dated 13-8-1838, Pt. 1, P. 1379         |
| 3.  | ,,               | 465, dated 15-4-1939, Pt. I, P. 639          |
| 4.  | , **             | 923, dated 22-6-1940, Pt. I, P. 892          |
| 5.  | **               | 584, dated 12-4-1941, Pt. I, P. 523          |
| რ.  | **               | 1707, dated 18-10-1941, Pt. I, P. 1528       |
| 7.  | 91               | 295, dated 14-2-1942, Pt. 1, P. 346          |
| 8.  | 17               | 590, dated 28-3-1942, Pt. I, P. 640          |
| 9.  | * ***            | 136, dated 06-3-1943, Pt. I, P. 275          |
| 10. | *9               | 343, dated 19-6-1943, Pt. I, P. 656          |
|     | 68/2(G)/Case/44  | dated 12-8-1944, Pt. I, P. 656               |
| 12. | Notification No. | 396, dated 12-3-1949, Pt. I, Sec. 3, P. 347  |
| 13. | **               | 1441, dated 27-8-1949                        |
| 14. | S.R.O.           | 715, dated 22-4-1950, Pt. I, Sec. 3.         |
| 15. | ;,               | 343, dated 30-12-1950                        |
| 16. | ••               | 299, dated 04-7-1953, Pt. II, Sec. 4, P. 268 |
| 17. | "                | 27, dated 11-1-1957, Pt. II, Sec. 4, P. 14   |
| 18. | ",               | 240, dated 16-8-1961, Pt. II, Sec. 4, P. 169 |
| 19. | **               | 231, dated 30-4-1970                         |
| 20. | ••               | 334, dated 23-11-1972                        |
| 21. | **               | 273, dated 14-8-1975                         |
| 22. | "                | 269, d ted 14-10-1976                        |
| 23. | ,,               | 332, dated 16-11-1979                        |
| 24. | <b>7</b> †       | 66, dated 04-2-1980                          |
| 25. | 13               | 111, dated 03-3-1980                         |
| 26. | 71               | 296, dated 21-11-1981                        |
| 27. | 17               | 51, dated 19-2-1983                          |
| 28. | **               | 284, dr ted 29-10-1983(as amended vide       |
|     |                  | S.R.O. 11, dt. 7-1-1984)                     |
| 29. |                  | 18, 26, dated 2-6-1984,                      |
|     |                  | •  |

[File No. 25|CFSR|ADMDTS|1|C|L&C|81|684|D(Q&C)]

KARTAR SINGH, Under Secy.

नई दिल्लाः, 14 फरवरते, 1985

- का. ति. शा. 54.—राष्ट्रपति, संविधान के धनुन्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर सेना चिकित्सा कोर (चिकित्सा भौतिक विद्यानी) (सिविलियन) (ज्येष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी वर्ग 2) भर्नी नियम, 1977 को उन बातों के गियाय श्रधिकांत करने हुए जिन्हें ऐसे श्रधिकमण से पहने किया गया है या करने से लोग किया गया है, सेना चिकित्सा कोर में चिकित्सा मौतिक विज्ञानी (सिविलियन) ज्येष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी श्रेणी 2 के पद पर भर्ती की पद्धित का विनियमन करने के लिए निस्नलिवित नियम बनावे है, सर्यात:—
- 1. संक्रिप्त नाम भीर प्रारम्म (1) इन नियमों का संक्रिप्त नाम सेमा चिकिस्सा कीर (चिकित्मा भौतिक विकानी) (सिविलियन) (ज्येष्ठ वैक्शानिक श्रधि-कारी श्रेणी 2) भर्ती नियम, 1985 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पद-सक्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची के स्कम्म 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।
  - 3. भर्ती की पद्धति, श्रायु-सीमा श्रीर श्रम्य शर्धुताएं: भर्ती की पद्धति, श्रायु-सीमा, श्रर्हुताएं श्रीर उससे संबंधित श्रन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त श्रमुमुची के स्तंभ 5 से 14 में विनिविष्ट हैं।
  - निरर्हता : यह व्यक्ति→→
  - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी परनी जीवन है, विवाह किया है, या
- (खा) जिराने अपने पति या अपनी पत्नी के **जीवित होते** हुए किसी व्यक्ति से विकाह किया है, ख्रुक्त पद पर नियक्ति का पाछ महीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह मनाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे ध्यक्ति और विवाह के धन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के धन्नीत धनुद्रीय है और ऐसा करने के लिए अन्य धाधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से धूट दे सकेगी।

- 5. शिथिल करने की समित: अहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आपश्यक या समीवीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है, उन्हें खेबबद करके तथा संघ लोक सेवा धायोग से परामर्थ करके, इन नियमों के किसी उपबंद को किसी वर्ग या प्रवर्ग के ध्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेती।
- 6. व्यावृत्ति: इन नियमों की कोई भी बात, ऐसे घारकणों, श्रायु सीमा में छूट और श्रम्य रिमायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में ममय-प्रमय पर निकाले गए आदेशों के घनुसार घनुसूचिन जातियां, घनुसूचिन जनजातियो और श्रन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना स्रपेक्षित है।

|   |  |          | अनु <b>सूर्च</b> ?                       | •                               |  |  |   |
|---|--|----------|--|---------------------------------|--|--|---|
| <b>पद</b> का नाम  | पदों की संक्या                                     | यर्गीकरण | बेतनमान                                  | चयम पद<br>श्रवना श्रव-<br>यन पव | सीधे भर्ती वि<br>के लिए इ  | प् जाने वाले व्यक्तियों<br>प्रायु भीमा   | सेवा में जोड़े गए<br>वर्षों का फायदा<br>केन्द्रीय मिविल<br>सेवा (पेंशम)<br>नियम, 1972 के<br>नियम 30 के<br>प्रधीन प्रनुत्रेय<br>है या नहीं |
| 1   | 2  | 3        | 4  | . 5                             |  | 6  | 7   |
| चिकित्सा भौतिक विज्ञानी (मिवि-<br>लियन) ज्येष्ठ वैज्ञानिक प्रधिकारी<br>वर्ग-2 | .1* (1985) *कार्यभार के प्राक्षार पर परिषर्तम किया | तकनीकी।  | 700-40-900-<br>द. रो40-110<br>50-1300 ह. |                                 | गार अनुदेश<br>सार सरका<br>वर्ष सक<br>है।)<br>टिप्पण: आयु<br>के सिए कि<br>रहने बाले<br>भिन्न जो | क महीं कार द्वारा जारी किए ों या धादेशों के धनु- ारी सेवकों के लिए 5 शिषिल की जा सकती सीमा ध्रथधारित करने नेर्जायक नारीख भारत में ध्रभ्यायियों से (जनसे ध्रांदमान धीर निकोबार लक्षद्वीप में रहते है) पन करने के लिए नियन |   |

की गई अमिम तारीख होगी।

सीबे भरती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए गीक्षिक भीर ग्रन्म

भीक्षे महीं किए जाने माने व्यक्तियों के लिए परिवीक्षा की प्रविध, यदि कोई हो बिहित आबु और शैक्षिक अहैताएँ प्रोन्नत व्य-क्तिमों की बना में लाग होंगी या नहीं

(क) समस्यानिक (श्राइसोटोप) केन्द्रों और विकिरण चिकित्सा

लागुनई होता

एक वर्ष

केन्द्रों के भौतिक विज्ञानी के लिए

आवश्यमः :——

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्युकलीय भौतिक में नास्टर की डिग्नी वा समतुल्य।
- (ii) किसी मान्यता प्राप्त संस्था से विकिरण सूरक्षा (डी भार पी) में डिप्लोना या समतुल्य।
- (iii) न्यूकलीय श्रीयधियों में प्रयुक्त भौतिकी के क्षेत्र में भीर स्यूकलीय विकित्सा उपकरणों के उपयोग का 2 वर्ष का सनुभव।
- (सा) दुर्दम रोग उपचार केन्द्र में भौतिकी विज्ञानी के लिए:

#### भावस्थक :

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी में मास्टर की डिग्रीया समक्रय ।
- (li) किसी मान्यता पाप्त संस्था से विकिरण भौतिकी मे भ्रष्टेता या समतुल्य या इंस्टीटयट भ्रांक किजिन्स, इंग्लैंड का एसोसिएट/कैलो
- (iii) किसी मुख्यवस्थित रेडियो उपचार विभाग में या कैंसर संस्थान में भीतिक विकानी के रूप में 2 वर्ष का अनुकर

टिप्पण: 1: अर्हनाएं, अन्यथा सुम्रहित अभवश्वियों की दशा में संघ लोक सेवा भायोग के विवेकानसार विश्वित की जासकती है।

टिप्पण: 2: अनुभव संबंधी पहुँता (श्रईताएं) संघ लोक सेवा भ्रायोग/सक्षम प्राप्तिकारी के विवेकानुसार अनु-सूचित जातियो और अनुसूचित जनजातियों के भ्रभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा घायोग की यह राय है कि उनके लिए घार-क्षित रिक्तियों को भरने के लिए भपेक्षित भनुभव रकाने वाले उन समुदायों के अध्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगै।

व छिमः य

जर्मन/फ्रेज/रूसी भाषा का ज्ञान ।

भरैती की पद्धति/भरती सीधे होगी या प्रोन्नति क्षारा या प्रतिसिय्भित/स्थानांतरण द्वारा प्रोन्नति/प्रतिनिय्भित/स्थानांतरण द्वारा भरती की वक्षा में वे ओणियां तथा विभिन्न गढ़तियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

जिनसे प्रोक्षति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा (जिसके ग्रंनर्गत श्रल्पकालिक मंत्रिया भी है)/स्थानांतरण प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (जिसके श्रंतर्गत श्रल्पकालिक संविदा भी क्षारा जिसके नहीं सकते पर सीधी भर्ती द्वारा।

हैं)/स्थानांतरण द्वारा

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार/मान्यताप्राप्त श्रनुसंधान/संस्थामी <mark>पर्</mark>ध सरकारी, कानुनी या स्वणासी संगठनों के अधीन ऐसे प्रविकारी:

- ( \*)(i) जो सदध पद धारण किए हुए '; या
  - (ii) जिम्होंने 650-1200 ठ. वेतनमान बाले या समत्रूल्य पदीं पर 3 वर्ष सेवाकी है; या
- ं (iii) जिन्होंने 550-900 में. वैसनमान बाले या समतुल्य पद्यों पर 3 वर्ष सेवा की है; श्रीर
- (प्रतिनियुक्ति/संबिदा की श्रवधि, जिसके अंतर्गत उसी संगठन/विभाव में इस निवृद्धि के ठीक (ब) पहले धारित किसी श्रन्य काटर बाह्य पर पर प्रतिभिव्कित की संबंधि है, नाडारक-तया तीन वर्ष से अधिक नही होगी।)
- जिनके पास स्तंभ 6 में सीधी भरती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए मधिकयित गीक्षक महिताएं भीर धनुषय ₹) ī

गंदि विभागीय प्रोन्नशि समिति है तो उसकी संरचना

भरतीं करते में किन परिस्थितिया में सब लोक सेवा भायोग से परामणें किया जाएगा।

चयन प्रत्येक ध्रवसर पर संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्गकरके किया

1.3

7 1

मसतु "क" विभागीय प्रोञ्जति मिनिः

(i) संगुक्त सनिव (स्था.), रक्षा मलालय-सवस्य

(ji) निवेशक चिकित्सा सेवा (सेना), सेना मुख्यालय यो उसका प्रतिनिधि-सदस्य

[ति । निवंशक जिक्कास सवा (सना), सना मुख्यालय या उसका शालाताव स्वयं स्वयं हिष्णण . बुष्टि से संबंधित जिथागीय प्रोन्नित समिति की कार्रवाहिलां, आयोग के अनुमोद- सार्य मेजी जाल्गी जिंतु, यदि श्रायोग उनका अनुमोदन सही करता है सो जिथा- गीय प्रोन्नित समिति की बैटक संघ लोक सेवा भायोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्ष में किर से होगी।

[फा. सं. 34208/डी एस एस/3(**ड**)]

एस. सी. जुनेजा, श्रवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 1985

- S.R.O. 54.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Army Medical Corps, Medical Physicist (Civilian) (Senior Scientific Officer Grade II) Recruitment Rules, 1977, except things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Medical Physicist (Civilian) Senior Scientific Officer Grade II in the Army Medical Corps, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Army Medical Corps (Medical Physicist (Civilian) (Senior Scientific Officer Grade II) Recruitment Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.
- 3. Method of recruitment, age limit, and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

- 4. Disqualification.-No person-
  - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
  - (b) who, having a spouse living has Intered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post,

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

| Name of Post  | No. of post  | Classification  | Scale of pay                              | Whether selection<br>post or non-<br>selection post | Age limit for direct recruits  | Whether benefit<br>of added years<br>of service ad-<br>missible under<br>rule 30 of the<br>Central Civil<br>service (Pension)<br>Rules 1972. |
|---|--|---|---|---|--|--|
| 1   | 2  | 3   | 4   | 5   |  |  |
| Medical Physicist (Civilian) Senior Scientific Officer Grade II | 4*(1985) *Subject to variation dependent on workload | General Central<br>Service Group<br>'A' Gazetted,<br>non-Ministerial,<br>Technical. | Rs. 700-40-900-<br>EB-40-1100-50-<br>1300 | Not applicable                                      | Not exceeding 35 years.  (Relaxable for Government servants upto five years in accordance with the instruction or orders issued be the Central Gvernment Note: The crucial date for determining the agalimit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andam & Nicobar Islands and Lakshadweep). | y<br>)<br>:<br>:   |

Educational and other qualifications required for direct recruits

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees

9

Period of probation if any

8

(a) For Physicist in Isotope Centres and Redi- Not applicable.

One year.

ation Medicine Centres: Essential:

- (i) Master's degree in Nuclear of Physics of a recognised University or equivalent.
- (ii) Diploma in Radiation Protection (DRP) from a recognised Institution or equivalent.
- (iii) Two years experience in the field of Radiation Physics applied to Nuclear Medicine and handling of Nuclear Medicine Instrumentation.

Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well-qualified.

Note: 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from the communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

#### Desirable:

Knowledge of Garmen/French/Russian.

(b) For Physicist in Malignant Diseases Treatment Centre:

#### Essential:

- (i) Master's Degree in physics of a recognised University or equivalent;
- (ii) Qualification in Radiology Physics from a recognised Institution or equivalent or Associate/Fellow of the Institute of Physics, England;
- (iii) Two years experience in a well established Department of Radiotherapy or Cancer Institute as a Physicist.

Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidate otherwise well qualified.

Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

## Desirable:

Knowledge of German/French/Russian.

Method of rectt, whether by direct. In case of rectt, by promotion/ rectt, or by promotion or by deputation/transfer, grades from tation/transfer and percentage of which promotion/deputation/transthe vacancies to be filled by various fer to be made. methods.

If a Departmental Promotion Com- Circumstances in which Union mittee exists, what is its composition

Public Service Commission is to be consulted in making rectt.

11

12

13

14

By transfer on deputation (including short-term contract/transfer falling which by direct recruitment.

Transfer on deputation (including Group 'A' Deprtmental promo-Short term contract/Transfer. Officers under the Central/State-Governments/Recognised Research Institutions/Semi-Goverment, Statutory or autonomous Organisations: (a)(i) holding analogous posts;

tien Committee. (For considering confirmation)

(i) Joint Secretary (E), Ministry of Defence-Chairman,

(ii) Director of Medical Service. (Army), Army Headquarters or his reprsentative-Member,

Selection on each occassion shall be made in cusultation with the UPSC.

in post in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent; or

- (iii) with 5 years service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent; and
- (b) Possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits under Column 8.
- (Period of deputation/contract including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not ordinarily exceed three years.)

(ii) with three years service Note: The proceedings of Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the commission fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

मई विल्ली, 22 फरवरी, 1985

का. नि. आ. 55.--केन्द्रीय सरकार, सेना अधिनियम, 1950 (1950 का 46) की धारा 191 द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेना नियम, 1954 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:---

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेना (संशोधन) नियम, 1985 है।

2. नए नियम 80-क का अलःस्थापन--सेना नियम, 1954 में (जिसे इससें इसके पश्यात् उक्त नियम कहा गया है), नियम 80 के पश्यात्, विस्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"80.क. सेना न्यायालय का सार्वजनिक होना--नियम 80 के अधीन रहते हुए, वह स्थान जेही अधिनियम के अधीन किसी अपराध का विचारण करने के प्रयोजन के लिए सेना न्यायालय अधिकिष्ट किया आएगा एक खला स्पायालय समझा जाएगा जिसमें वहां तक जहां तक कि उसमें सुविधापूर्वक समा सके, जनता की साधारणतया पहुंच हो सके:

परन्तु यवि न्यायालय का यह समाधान हो जाता है कि लोकहित 🌹 या न्याय की दृष्टि में ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है तो वह किसी विशिष्ट मामले में विचारण के किसी भी प्रक्रम पर आवेश कर सकती है कि जनता की, साधारणतया या उसके किसी भाग की अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति की, उस स्थान में जहां न्यायालय अधिविष्ट की गई है, पहुंच नहीं होगी या वह वहां महीं होगा या नहीं रहेगा।"

[F. No. 34208/DM\$/3(D)] M. C. JUNEJA, Under Secv.

# 3. नियम 164 का संशोधन--

उक्त नियमों के नियम 164 में "80, (बैठक बंद न्यायालय में होना)" अंकों, कोष्टकों और गर्ट्यों के स्थान पर "80क (सेनान्यायालय कासार्व-जनिक ोना)" अंक, अक्षर, कोष्टक और सक्द रखे जाएंगे।

टिप्पण: मूल नियम का. नि. आ. सं. 484, तारीका 27 नवस्वर, 1954 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और उसके पश्चात् निम्न-लिखित का. मि. आ. द्वारा उनमें संशोधन किए गए हैं :---

अ.-7 तारीख 17 जून, 1960

का. नि. आं. 1, नारीख 22 दिसंबर, 1961

का.नि.आ. 205, तारीख 12 जुलाई, 1961

का. नि. आ. 34, तारीख 5 जून 1963

का. नि. आ. 126, नारीख 12 मार्च, 1964

का. मि. आ. 116, तारीख 27 मार्च, 1965

का. नि. आ. 215, तारीख 17 जून, 1965

का. नि. आ. 5, तारीख 23 दिसंबर, 1968

कार्लन्सार 188, साराख 4 जूम 1979

का. नि. आ. 246, तारीख 12 अक्तूबर, 1982

का. नि. आ. 44, सारीख 24 जनवरी, 1985

[फा. सं. 4(2)/84/की (ए जी)] <sub>अ</sub> बी. एम. लाबरू, उप सचिव (ए जी )

#### New Delhi, the 22nd February, 1985

- S.R.O. 55.—In exercise of the powers conferred by section 191 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Army Rules, 1954, namely:—
- 1. These rules may be called the Army (Amendment) Rules, 1985.
- 2. Insertion of a new rule 80-A.—In the Army Rules, 1954 (hereinafter referred to as the said rules), after rule 80, the following rules shall be inserted, namely:—
  - "80-A. Courts martial to be public.—Subject to rule 80, the place in which a court-martial is held for the purpose of trying an offence under the Act shall be deemed to be an open court to which the public generally may have access, so far as the same can conveniently contain them:
  - Provided that, if the court is satisfied that it is necessary or expedient in the public interest or for the ends of justice so to do, the court may at any stage of the trial or any particular case order that the public generally or any portion thereof or any particular person shall not have access to, or be or remain in, the place in which the court is held."

3. Amendment of rule 164.—In rule 164 of the said rules, after the figure, brackets and words "80 (sitting in closed court)", the figure, brackets and words "80-A (court martial to be public)" shall be inserted.

[File No. 4(2)|84|D(AG)]

V. M. LABROO, Dy. Secy. (AG)

Note: Principal rules were notified vide SRO No. 484 dated 27th November, 1954 and subsequently amended vide the following SROs:—

E-7 dated 17th June, 1960

SRO 1 dated 22nd December, 1961

SRO 205 of 12th July, 1961

SRO 34 dated 5th June, 1963

SRO 126 dated 12th March, 1964

SRO 116 dated 27th March, 1965

SRO 215 dated 17th June, 1965

SRO 5 dated 23rd December, 1968

SRO 188 dated 4th June, 1979

SRO 246 dated 12th October, 1982

SRO 44 dated 24th January, 1985.